पावर सिस्टम कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड

केन्द्रीय कार्यालय, मानव संसाधन विभाग

सन्दर्भ संख्या : के.का./पोसोको/2014/राजभाषा सम्मेलन **दिनांक 04 सितंबर 2014**

दूसरी हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत

पोसोको कार्यालय मे दिनांक 22.08.2014 को दोपहर: 02.30 बजे से साँय 05 बजे तक राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें निदेशक(कार्मिक), मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको), कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन, कार्यपालक निदेशक(रा भा प्रे के), पावरग्रिड, क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्र प्रमुखों व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया | इस राजभाषा सम्मेलन में सभी क्षेत्रीय भार प्रेषण केन्द्रों के अधिकारियों व कार्मिकों ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया | इस सम्मेलन में सेवा निवृत संयुक्त निदेशक, श्री प्रेम सिंह को व्याख्यान देने के लिए और श्री दीपक गुप्ता, हास्य कवि को कविता पाठ हेतु आमन्त्रित किया गया था |

1.0 नोडल अधिकारी (राजभाषा) ने निदेशक कार्मिक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको), कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन), कार्यपालक निदेशक(रा भा प्रे के), क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों और कार्मिकों को इस राजभाषा सम्मेलन में आने पर उनका हार्दिक स्वागत किया | निदेशक(कार्मिक) द्वारा एक कविता की पंक्तियों के गायन, मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) द्वारा उन पंक्तियों के बाद कुछ न कहने की इच्छा, और तदुपरान्त कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन) द्वारा राजभाषा सम्मेलन को प्रारम्भ करने के अनुरोध के साथ ही श्री प्रेम सिंह ने अपना राजभाषा हिन्दी में कार्य को कैसे रोचक बनाएँ विषय पर अपना व्याख्यान दिया | अपने वक्तव्य में उन्होने कहा की राजभाषा हिन्दी हमारी मातृभाषा है और हमें सिर्फ अपनी इच्छा शक्ति को दृड करके ही कार्यालीन कार्यों को राजभाषा हिन्दी में करना चाहिए | हिन्दी कार्यशाला की कुछ तस्वीरें कार्यवृत के साथ सलंग्न हैं |

2.0 श्री प्रेम सिंह ने अपने व्याख्यान में कहा की राजभाषा हिन्दी को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक सोच का होना बहुत जरूरी है | किसी भी भाषा के शब्दों को ग्रहण करते हुए राजभाषा हिन्दी में आसान शब्दों को कलम के सहारे कागज पर ले आना ही हिन्दी को बढ़ावा देने के समान है |

3.0 श्री प्रेम सिंह ने अपने वक्तव्य मे कहा कि हिन्दी में अपने विचारों को अभिव्यकत करने की आजादी है और हिन्दी में स्वविचारों को लिखते व पढ़ते हुए भाव आसानी से समझ आ जाते हैं |

4.0 राजभाषा हिन्दी सुख दुख, तीज त्यौहारों की भाषा है जिसमें करूणा, भाव प्रधानता, ममता है और इसे श्री प्रेम सिंह ने उदाहरणों के माध्यम से समझाया ।

5.0 श्री प्रेम सिंह के वक्तव्य को निदेशक(कार्मिक), कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन) व श्रीमती नीलम शर्मा ने भी सराहा ।

6.0 तदुपरान्त हास्य कवि श्री दीपक गुप्ता ने अपने व्यंग्यों व हास्य कविताओं के द्वारा सभी अधिकारियों व कार्मिकों का दिल जीत लिया ।

7.0 अंत में मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) ने निदेशक (कार्मिक), कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन), पावरग्रिड, मुख्य प्रबन्धक(राजभाषा), पावरग्रिड, श्री प्रेम सिंह और श्री दीपक गुप्ता को धन्यवाद दिया ।

8.0 अंत मे मुख्य प्रबन्धक(मानव संसाधन) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और वरिष्ठ अधिकारियों, कार्मिकों के साथ साथ श्री प्रेम सिंह व श्री दीपक गुप्ता को भी इस सम्मेलन को यादगार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया ।

9.0 अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

(अनिल मेहता)

कार्यपालक सचिव(मा.सं)

मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन)

महाप्रबंधक(रा.भा.प्रे.के.)

मुख्य कार्यपालक अधिकारी(पोसोको) 11.9.14

12/9/14

कापी: श्री आई आर किदवई, कार्यपालक निदेशक(मानव संसाधन विभाग), पावरग्रिड